भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5001

सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तिरुचिरापल्ली में विरासत और तीर्थ स्थलों का संवर्धन

†5001. श्री दुरई वाइको:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि तिरुचिरापल्ली जिला, जहां प्रसिद्ध श्रीरंगम रंगनाथस्वामी मंदिर और तिरुवनईकोविल जम्बुकेश्वर मंदिर है, में पर्यटकों के आगमन में लगातार वृद्धि हो रही है;

(ख) क्या पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में लगभग 3.1 करोड़ आगंतुकों के साथ तिरुचिरापल्ली में पर्यटकों के आगमन में लगभग 17.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और विदेशी पर्यटकों के आगमन में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ग) त्रिची के इन प्रमुख विरासत और तीर्थ स्थलों का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संवर्धन करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को जानकारी है कि कई प्रमुख स्थानों पर प्रमुख पर्यटन स्थलों और तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन को दर्शाने वाले पर्याप्त साइनबोर्ड की कमी है जिससे पर्यटकों को असुविधा हो रही है; और

(ङ) क्या सरकार का राज्य सरकार के साथ समन्वय करके प्रमुख पर्यटन स्थलों और विमानपत्तन को जोड़ने वाले समुचित पर्यटक संकेतकों और बहुभाषी डायरेक्शन बोर्ड लगाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर विदेशी और घरेलू पर्यटक आगमन के आंकड़े संकलित करता है। राज्य सरकार से प्राप्त पिछले 5 वर्षों के दौरान तिरुचिरापल्ली जिले में घरेलू और विदेशी पर्यटक आगमन (डीटीवी और एफटीवी) की संख्या **अनुबंध** में दी गई है।

आंकड़ों के अनुसार, तिरुचिरापल्ली जिले में पर्यटकों के आगमन की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, वर्ष 2025 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, तिरुचिरापल्ली में तीन करोड़ से अधिक पर्यटकों के आगमन के साथ पर्यटकों की संख्या में 17.07 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या में 31.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

(ग): पर्यटन स्थलों और उत्पादों की पहचान, विकास और प्रचार मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा की जाती है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उन्होंने तिरुचिरापल्ली के विरासत स्थलों की अवसंरचना, पहुंच और वैश्विक दृश्यता को बढ़ाने के लिए सहायता प्राप्त योजनाओं और राज्य-केंद्रीय वित्त पोषित योजनाओं, दोनों को शामिल करते हुए एक बहुआयामी रणनीति लागू की है, जैसे कि श्रीरंगम रंगनाथस्वामी मंदिर, तिरुवनईकोविल जम्बुकेश्वर मंदिर और रॉकफोर्ट मंदिर जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर अवसंरचना का विकास; चोलानट्टू तिरुपथिगल विरासत और इको-पर्यटन परिपथ का विस्तार, सहायक आकर्षणों और संपर्कता परियोजनाओं का संवर्धन; पुलियानचोलाई जलप्रपात पर सौर ऊर्जा स्टेशनों और एलईडी प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं का आधुनिकीकरण और प्रावधान तथा विभिन्न पर्यटक सुविधाएं। इसके अलावा, तमिलनाडु पर्यटन ने त्रिची जैसे विरासत स्थलों को उजागर करने के लिए डब्ल्यूटीएम लंदन (2022, 2024, 2025), आईटीबी बर्लिन (2023) और आईएफटीएम टॉप रेसा पेरिस (2024, 2025) सहित प्रमुख वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग लिया है।

(घ): राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि तिरुचिरापल्ली जिले के कुछ स्थानों पर प्रमुख पर्यटन स्थलों और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए दिशा-सूचक संकेतक और बोर्ड अपग्रेड किए जा रहे हैं।

(ङ): पर्यटन स्थलों का विकास और प्रचार-प्रसार, जिसमें सुरक्षा और संकेतकों जैसे अवसंरचना से संबंधित मामलों आदि का प्रबंधन शामिल है, मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा पर्यटन मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जाता है। इस संदर्भ में, राज्य सरकार ने सूचित किया है कि वह अपने समर्पित परियोजनाओं और अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण के माध्यम से बहुभाषी मानकों और रणनीतिक स्थान निर्धारण के साथ नौवहन अवसंरचना के व्यापक आधुनिकीकरण को स्वतंत्र रूप से क्रियान्वित कर रही है।

*****

अनुबंध

श्री दुरई वाइको द्वारा तिरुचिरापल्ली में विरासत और तीर्थ स्थलों के संवर्धन के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5001 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

पिछले 5 वर्षों के दौरान तिरुचिरापल्ली जिले में आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों (डीटीवी और एफटीवी) की संख्या

वर्ष	डीटीवी	एफटीवी	कुल
2021	1,39,39,910	3,502	1,39,43,412
2022	2,03,65,852	76541	2,04,42,393
2023	2,98,96,654	1,27,369	3,00,24,023
2024	2,67,66,722	1,29,987	2,68,96,709
2025(अ)	3,13,17,745	1,71,345	3,14,89,090

अ: अनंतिम

स्रोत: राज्य सरकार

*****